A–0815

Total Pages : 5 **Roll No. .....**

B10/B-10(A)

B.Ed. Special Education

Guidance and Counselling (Skill-Based Optional Course)

Examination February, 2026

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 35

Note* :–** This paper is of Thirty Five (35) marks divided into Two (02) Sections 'A' and 'B'. Attempt the questions contained in these Sections according to the detailed instructions given therein. ***Candidates should limit their answers to the questions on the given answer sheet. No additional (B) answer sheet will be issued.

नोट :– यह प्रश्न-पत्र पैंतीस (35) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

Section–A

(खण्ड–क)

Long Answer Type Questions

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) (2×9½=19)

***Note* :–** Section 'A' contains Five (05) Long-answer type questions of Nine and Half (9½) marks each. Learners are required to answer any *two* (02) questions only.

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए साढ़े नौ (9½) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. Who is a creative child ? Explain in detail, with examples, the areas in which a teacher helps special children.

   सृजनात्मक बालक किसे कहते है ? एक अध्यापक विशिष्ट बालकों की सहायता किन-किन क्षेत्रों मं करता है, उदाहरण सहित विस्तृत व्याख्या कीजिए।

2. Discuss the importance of guidance in the academic, social and professional fields.

   शैक्षणिक, सामाजिक तथा व्यवसायिक क्षेत्र में निर्देशन के महत्व की विवेचना कीजिए।

3. "A teacher is a collaborator and facilitator who fosters the ideal development of students." Explain this statement with examples.

"एक शिक्षक सहयोगी तथा सुविधा प्रदाता होता है जो छात्रों का स्वर्णिम विकास करता है।" इस कथन की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।

4. Write a detailed note on various theories of counselling.

परामर्श के विभिन्न सिद्धान्तों पर एक विस्तृत लेख लिखिए।

5. Describe the concept and key characteristics of counselling. Discuss the relationship between the counselee and the counsellor.

परामर्श की अवधारणा एवं प्रमुख विशेषतओं का वर्णन कीजिए। परामर्श प्रार्थी एवं परामर्शदाता के सम्बन्धों पर प्रकाश डालिए।

Section–B

(खण्ड–ख)

Short Answer Type Questions

(लघु उत्तरीय प्रश्न) (4×4=16)

***Note* :–** Section 'B' contains Eight (08) Short-answer type questions of Four (04) marks each. Learners are required to answer any *four* (04) questions only.

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए चार (04) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. Discuss the key components of the counselling process.

   परामर्श की प्रक्रिया के प्रमुख अंगों पर चर्चा कीजिए।

2. Explain the meaning and importance of motivation.

   अभीप्रेरणा का अर्थ एवं महत्व स्पष्ट कीजिए।

3. What do you understand by the happiness condition of students and mention its main components ?

   छात्रों के सुखवाद स्थिति से आप क्या समझते हैं तथा उसके प्रमुख घटकों का उल्लेख कीजिए।

4. Describe the need for vocational guidance.

   व्यावसायिक मागदर्शनर् की आवश्यकता का वणनर् करें।

5. Clarify the differences based on the scope and nature of guidance and counselling.

   निर्देशन और परामर्श में उनके क्षेत्र और प्रकृति के आधार पर अंतर स्पष्ट कीजिए।

6. What is the role of guidance in education ?

   शिक्षा के क्षेत्र में निर्देशन की क्या भूमिका है ?

7. What is child-centred counselling ? Explain its importance in special education.

बाल-केन्द्रित परामर्श क्या है ? विशेष शिक्षा में इसके महत्व को समझाइए।

8. Why is inclusive counselling becoming increasingly necessary for children with special needs in today's education system ?

आज के शिक्षा तंत्र में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए समावेशी परामर्श क्यों अधिक आवश्यकता होता जा रहा है ?

****